INFLIBNET

# इनफ्लिबनेट न्यूजलेटर

ISSN : 0971- 9849
खंड ३१, अंक सं.४ (अक्टूबर से दिसंबर २०२४)

## संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्री मोहित कुमार
डॉ रोमा असनानी

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/
SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/
VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/
e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/
N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/
InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/
Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/
She Research Network in India (SheRNI)
https://sherni.inflibnet.ac.in/

e-PG Pathshala
https://epgp.inflibnet.ac.in/
Vidya-Mitra: Integrated e-content Portal
https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/
INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/
Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/
ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/
INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/
INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

# विषय सूची


निदेशक की कलम से 1

इन्फ़्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/वेबिनार 3

इन्फ़्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम – पुस्तकालय स्वचालन (आईआरटीपीएलए) 8

प्रशिक्षण कार्यक्रम – शोध–चक्र 10

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 11

ओआरसीआईडी आउटरीच कार्यक्रम (ओआरसीआईडी ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड) 11

आरडीएम आउटरीच – डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड 12

नई परियोजना/पहल – वन नेशन वन सबस्क्रिप्शन (ओएनओएस) 16

इन्फ़्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति 17

अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ 21

कर्मचारी समाचार 23

उपयोगकर्ताओं की राय 25

क्षेत्रीय समाचार/सोशल मीडिया में इनफ्लिबनेट 26

# निदेशक की कलम से
## From Director's Desk

**( प्रिय पाठको )**

मुझे इन्फ़्लिबनेट न्यूज़लेटर के 2024 के अंतिम तिमाही संस्करण को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। हम 2024 के समापन की ओर बढ़ रहे हैं और मैं जब इस वर्ष में इन्फ़्लिबनेट केंद्र की निरंतर नवाचार, सुधार, उपलब्धि और सहयोग के साथ मिलकर की गई अविश्वसनीय यात्रा को देखती हूँ तो यही पाती हूँ कि हम भारत में पुस्तकालयों, शोध और शिक्षा को बढ़ाने के लिए सूचना संसाधनों तथा सेवाओं का समर्थन, विकास एवं प्रबंधन करने के लिए अब और भी अधिक प्रतिबद्ध व समर्पित हैं।

इस पूरे वर्ष के दौरान, हमने देश के पुस्तकालय, शोध और शैक्षणिक समुदायों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए अपनी सभी परियोजनाओं, गतिविधियों और पहलों में उल्लेखनीय प्रगति की है। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं, साझेदारियों और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से, हमने अपनी सेवाओं को काफी आगे बढ़ाया है, शोधकर्ताओं और संसाधनों के बीच की कड़ी में सुधार किया है, ओपेन साइंस के लिए शोध डेटा तक ओपेन ऐक्सेस को बढ़ावा दिया है और अपने लक्ष्यों को बखूबी प्राप्त किया है।

मैं यह बताते हुए अत्यंत गर्वित हूँ कि भारत सरकार की केंद्रीय क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित योजना 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस)' को अंततः 25 नवंबर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी मिल गई है। ओएनओएस योजना केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के साथ–साथ केंद्र सरकार के शोध तथा विकास संस्थानों द्वारा प्रबंधित सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय विद्वानों के बेहतरीन शोध–लेखों और जर्नल प्रकाशनों तक देशव्यापी पहुँच प्रदान करेगी। कुल 30 प्रमुख जर्नल प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित लगभग 13,000+ ई–जर्नल ओएनओएस में शामिल किए गए हैं और वे सभी अब 6,500 से अधिक सरकारी उच्च शिक्षा संस्थानों और केंद्र सरकार के शोध एवं विकास संस्थानों के लिए सुलभ होंगे। सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ़्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर को ओएनओएस के कार्यान्वयन और निष्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। हम इस परियोजना को भारतीय शैक्षणिक और शोध समुदाय की सेवा में लाने के लिए तत्पर हैं।

इनफ्लिबनेट केंद्र ने 14 अक्टूबर 2024 को रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय (आरसीयूबी), बेलगावी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ताकि इनफ्लिबनेट रिसर्च कॉर्नर के माध्यम से आरसीयूबी में इनफ्लिबनेट सेवाओं को लागू किया जा सके और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और शोध समुदाय द्वारा आवश्यक शोध सेवाओं तक पहुँच बढ़ाई जा सके।

अब तक, केंद्र ने संस्थानों के लिए 1,421 आईआरआईएनएस इंस्टेंसेस बनाए हैं जिनमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान बनाए गए 106 आईआरआईएनएस इंस्टेंसेस शामिल हैं और इस परियोजना के माध्यम से कुल 2,16,112 संकाय सदस्यों को जोड़ा गया है। अब तक 145 विश्वविद्यालयों ने शोध–चक्र के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें 6 विश्वविद्यालय इस रिपोर्ट की अवधि में शामिल हैं। शोधगंगा रिपोज़िटरी में जमा किए गए शोध प्रबंधों की संख्या बढ़कर 5,76,731+ हो गई है जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 16,914 शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं। कुल 942 संस्थानों (832 विश्वविद्यालय + 110 सीएफटीआई / आईएनआई) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें 15 समझौता ज्ञापनों (13 विश्वविद्यालय + 2 सीएफटीआई) पर हस्ताक्षर इस अवधि में हुए हैं।

इसके अलावा नवगठित शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति (एसएनएससी) की सिफारिश के अनुसार, केंद्र शोधगंगा को नया रूप देने और मौजूदा डीस्पेस 5.3 से 7. 6.1 तक माइग्रेशन प्रक्रिया का परीक्षण करने की दिशा में काम कर रहा है। साथ ही हमने शोधगंगा के लिए मौजूदा समझौता ज्ञापन में संशोधन किए हैं जिसमें प्रतिबंध और डीआरएम/कानूनी मुद्दों से निपटने के लिए आवश्यक संशोधन किए गए हैं। इसमें प्लैगियरिज़्म रिपोर्ट, विद्यार्थी की कॉपीराइट अंडरटेकिंग, यूनीक रिसर्चर आईडी, सीसी बाय एनसी में संशोधन, वन–पेज प्लैगियरिज़्म रिपोर्ट/प्रमाणपत्र/सारांश रिपोर्ट शामिल है।

रिपोर्ट अवधि के दौरान आईएसबीएन पोर्टल पर कुल 3,276 हितधारकों ने पंजीकरण कराया जहाँ 10,405 आवेदन प्राप्त हुए और 1,52,724 आईएसबीएन हितधारकों/प्रकाशकों को आवंटित किए गए।

हमारे केंद्र द्वारा देश भर में नियमित रूप से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं (ऑफलाइन/ऑनलाइन) का आयोजन किया जाता है ताकि विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा सके। इस रिपोर्ट की अवधि में, 21–25 अक्टूबर 2024 और 25–29 नवंबर 2024 को केंद्र ने 'सोल (एसओयूएल) 3.0: इंस्टॉलेशन और ऑपरेशंस' पर दो पाँच–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (25वाँ ऑनलाइन और 171वाँ ऑफलाइन) आयोजित किए। तीन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमः 18–22 नवंबर 2024 को शैक्षणिक संस्थानों के लिए क्लाउड प्रौद्योगिकी पर एक पाँच–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, 2–6 दिसंबर 2024 को बिब्लियोमेट्रिक और शोध आउटपुट विश्लेषण पर एक पाँच–दिवसीय एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम और 11–13 दिसंबर 2024 को तीन–दिवसीय शोध सूचना प्रबंधन प्रणाली (आरआईएमएस) कार्यशाला, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित की गई। केंद्र ने 18 – 22 नवंबर 2024 तक करियर महाविद्यालय (स्वायत्त) भोपाल के साथ संयुक्त रूप से लाइब्रेरी ऑटोमेशन पर एक इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईआरटीपीएलए–2024) आयोजित किया। इसके अलावा रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, केंद्र ने शोध–चक्र पर दो संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम और आईएलएमएस पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

ऑरसिड (ओआरसीआईडी) ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड के तहत केंद्र ने 25 अक्टूबर 2024 को नागपुर, महाराष्ट्र में 'ऑरसिड और इनफ्लिबनेट सेवाओं के लिए उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया। इसके अलावा पिछले दिसंबर 2023 में प्रदान किए गए डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड्स (डेटासाइट–जीएएफ) के हिस्से के रूप में केंद्र ने एक इन–पर्सन ट्रेन–द–ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित कियाः केंद्र में 07–09 अक्टूबर 2024 को ओपन रिसर्च डेटा प्रबंधन पर तीन–दिवसीय कार्यशाला, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में आरडीएम आउटरीच कार्यक्रमों के तहत रिसर्च डेटा प्रबंधन (आरडीएम) पर 23 अक्टूबर 2024 और 14 नवंबर 2024 को दो वेबिनार तथा छह एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम।

इनफ्लिबनेट केंद्र ने नवरात्रि को बड़े उत्साह के साथ मनाया जिसमें 7 अक्टूबर 2024 को अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए गरबा रात्रि का आयोजन किया गया। साथ ही, 16 अक्टूबर 2024 को सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल, गांधीनगर के सहयोग से इनफ्लिबनेट कर्मचारियों के लिए एक निःशुल्क आयुर्वेद उपचार शिविर का आयोजन किया गया। केंद्र ने 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया जिसका विषय 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति' था। इस संबंध में, 30 अक्टूबर 2024 को केंद्र के सभागार में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया और सतर्कता शपथ ली।

देश भर के शैक्षणिक और शोध संस्थानों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, वह हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी दिशा में लगातार आगे बढ़ते रहें। हम अपनी गतिविधियों और सेवाओं को सुधारने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं ताकि हम विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, पुस्तकालयाध्यक्षों और शिक्षकों को और भी बेहतर सेवा प्रदान कर सकें। हमारी उपलब्धियाँ हमारे कर्मचारियों/टीम के सदस्यों के सामूहिक प्रयास और अटूट समर्पण के बिना संभव नहीं होतीं। मैं उनकी कड़ी मेहनत एवं सार्थक योगदान के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। हम 2025 के करीब पहुँच रहे हैं और अपनी गतिविधियों तथा सेवाओं के माध्यम से अपने उपयोगकर्ताओं को इस वर्ष भी उत्कृष्ट सेवा देने के प्रति हमारी तत्परता पहले की तरह कायम है। साथ ही, हम आगामी योजनाओं को लेकर भी उत्साहित हैं।

अंत में, आप सभी पाठकों को एक खुशहाल और समृद्ध नव वर्ष की शुभकामनाएँ।

आने वाला वर्ष आपके लिए ज्ञान व अवसरों के नए स्रोत लेकर आए तथा आप अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करें।

आप सभी को शुभकामनाएं!

धन्यवाद।

**(Prof. Devika P. Madalli)**

# इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

## "SOUL 3.0 : 'सोल (एसओयूएल) 3.0 ऑपरेशंस' पर 25वाँ पाँच–दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 21 – 25 अक्टूबर 2024

इनफ्लिबनेट सेंटर ने 21 से 25 अक्टूबर 2024 तक 'सोल (एसओयूएल) 3.0 ऑपरेशंस' पर 25वाँ पाँच–दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सीएस), तकनीकी समन्वयक; श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एलएस), पाठ्यक्रम समन्वयक; श्रीमती आरती सावले, वैज्ञानिक और तकनीकी अधिकारी–I (एलएस), प्रशिक्षण कार्यक्रम की सह–समन्वयक थीं। डॉ. एच.जी. होसामनी, सलाहकार (एलएस) और पूर्व वैज्ञानिक–ई (एलएस) ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम से परिचित कराया। ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 83 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

| मॉड्यूल | संसाधन व्यक्ति |
|---|---|
| प्रशासन मॉड्यूल | श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.) |
| कैटलॉग मॉड्यूल | श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस) |
| परिसंचरण मॉड्यूल | श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) |
| अधिग्रहण मॉड्यूल | श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस) |
| सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल | श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस) |

## शैक्षणिक संस्थानों के लिए क्लाउड प्रौद्योगिकी पर पाँच–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, 18 – 22 नवंबर, 2024

शैक्षणिक संस्थानों के लिए क्लाउड प्रौद्योगिकी पर पाँच–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18–22 नवंबर 2024 तक गांधीनगर के इनफ्लिबनेट केंद्र में आयोजित की गई। श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सीएस) ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने प्रतिभागियों और विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। यूजीसी की संयुक्त सचिव डॉ. सुनीता सिवाच ने सभा को संबोधित किया। श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सीएस) और पाठ्यक्रम समन्वयक ने कार्यशाला का अवलोकन प्रदान किया। श्री धर्मेश ए. शाह, वैज्ञानिक–बी (सीएस) और पाठ्यक्रम सह–समन्वयक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को क्लाउड प्रौद्योगिकी अवधारणाओं, एज़्योर वर्चुअल मशीनों, क्लाउड पर सामग्री प्रबंधन प्रणाली निर्माण और आईडीपी शिबोलेथ (आईएनएफईडी) स्थापित करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन सत्र में इनफ्लिबनेट सेंटर के वैज्ञानिक–एफ (सीएस) श्री मनोज कुमार के. ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए और डॉ. एच.जी. होसामनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार हैः

| **विषय** | **विशेषज्ञ** |
|---|---|
| क्लाउड प्रौद्योगिकी की अवधारणा को समझना | श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| क्लाउड सेवा प्रदाताओं का अवलोकन | श्री धर्मेश ए. शाह, वैज्ञानिक–बी (सीएस) |
| क्लाउड मॉडल और पंजीकरण | श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर घटक | श्री गौरव प्रकाश, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| क्लाउड समाधान लागू करने की विशेषताएँ और लाभ | श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| हैंड्स–ऑन सत्रः क्लाउड समाधान की खोज | श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सीएस) और टीम |
| हैंड्स–ऑन सत्रः एसएसओ के लिए क्लाउड समाधान तैनात करना | श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सीएस) और टीम |
| क्लाउड सुरक्षा मूल बातें | प्रोफ़ेसर रिपल रानपारा, सहायक प्रोफेसर, मारवाड़ी विश्वविद्यालय |
| उभरती क्लाउड प्रौद्योगिकियाँ और खरीद प्रक्रिया | डॉ अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| क्लाउड अनुपालन और शासन | श्री प्रज्योत सरन, माइक्रोसॉफ्ट विशेषज्ञ |
| हैंड्स–ऑन सत्रः एसएसओ के लिए क्लाउड समाधान तैनात करना – जारी | श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सीएस) और टीम |
| क्लाउड प्रौद्योगिकी में भविष्य के रुझान | प्रोफ़ेसर हर्षल अरोलकर, प्रोफेसर और प्रमुख, जीएलएस विश्वविद्यालय |
| हैंड्स–ऑन सत्रः आईएनएफईडी और एसएसओ कार्यान्वयन, क्लाउड–नेटिव एप्लिकेशन का निर्माण और प्रबंधन, वीएम बैकअप और रीस्टोर | श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सीएस) और टीम |

**माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी स्टाफ के साथ शैक्षणिक संस्थानों के लिए क्लाउड प्रौद्योगिकी पर पाँच–दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागी**

# ‘सोल (एसओयूएल) 3.0 सॉफ्टवेयर इन्स्टॉलेशन और ऑपरेशंस’ पर पाँच–दिवसीय 171वाँ प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 25 – 29 नवंबर 2024

‘सोल (एसओयूएल) 3.0 सॉफ्टवेयर इन्स्टॉलेशन और ऑपरेशंस’ पर 171वाँ पाँच–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 25–29 नवंबर 2024 को इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया था। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. मदल्ली ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तकनीकी समन्वयक श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सीएस) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एलएस) और श्रीमती आरती सावले, एसटीओ–आई (एलएस) क्रमशः पाठ्यक्रम और संयुक्त समन्वयक थीं। श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों और गणमान्य लोगों का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षणिक दौरे की व्यवस्था की गई थी। श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सीएस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार हैः

| मॉड्यूल | संसाधन व्यक्ति |
|---|---|
| इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ | श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सीएस) |
| प्रशासन मॉड्यूल | श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.) |
| कैटलॉग मॉड्यूल | श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) |
| परिसंचरण मॉड्यूल | श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) |
| अधिग्रहण मॉड्यूल | डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस.) |
| सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल | श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस) |
| SOUL 3-0 इंस्टालेशन | श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस) |
| SOUL 3-0 वेब ओपेक और बैकअप | श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस) |
| सभी मॉड्यूल का प्रैक्टिकल | श्री विराज पारेख, पुस्तकालय अधिकारी (एलएस) |

माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी स्टाफ के साथ सोल (एसओयूएल) 3.0 सॉफ्टवेयर इन्स्टॉलेशन और ऑपरेशन्स पर आधारित 171वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

# बिब्लियोमेट्रिक और रिसर्च आउटपुट विश्लेषण पर पाँच–दिवसीय एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, 2 – 6 दिसंबर 2024

2 से 6 दिसंबर 2024 तक गांधीनगर के इनफ्लिबनेट सेंटर में बिब्लियोमेट्रिक और रिसर्च आउटपुट विश्लेषण पर पाँच–दिवसीय एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनफ्लिबनेट सेंटर के वैज्ञानिक–एफ (सीएस) श्री मनोज कुमार के. ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उपस्थित लोगों को संबोधित किया। श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उद्घाटन सत्र का समन्वय किया। श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण और मानचित्रण से संबंधित बिब्लियोमेट्रिक विधियों, बिब्लियोमेट्रिक डेटा स्रोतों, डेटा प्रसंस्करण और प्रदर्शन संकेतकों का एक बेहतर अवलोकन देना था।

श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने समापन सत्र का समन्वय किया और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी तकनीकी सत्रों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) और प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर आईटी प्रोफेशनल, एलआईएस प्रोफेशनल और शोध–विद्यार्थियों सहित कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार हैः

| **विषय** | **विशेषज्ञों का नाम** |
|---|---|
| वेब ऑफ साइंस और इनसाइट्स का परिचय | डॉ. सुभाश्री नाग, क्लैरिवेट |
| नेटवर्क विश्लेषण और विजुअलाइज़ेशन के लिए ग्राफ़ सिद्धांत और बुनियादी सिद्धांत | श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| नेटवर्क विश्लेषण और विजुअलाइज़ेशन के लिए ग्राफ़ सिद्धांत और बुनियादी सिद्धांत | श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| विश्वविद्यालय शोध प्रदर्शन के बिब्लियोमेट्रिक संकेतक और रैंकिंग | डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| शोध प्रभाव मेट्रिक्सः गणना और संदर्भ | डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकें (सिद्धांत) | डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| स्कोपस की उन्नत खोज तकनीकें (सिद्धांत) | डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| बिब्लियोशिनीः बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण के लिए एक आर जीयूआई (सिद्धांत) | श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| स्कोपस और साइवल | डॉ. शुभ्रा दत्ता, एल्सेवियर |
| बिब्लियोमेट्रिक्स आर पैकेजः वर्णनात्मक विश्लेषण (सिद्धांत) | श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| विश्वविद्यालय अनुसंधान प्रदर्शन के बिब्लियोमेट्रिक संकेतक और रैंकिंग | श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| बिब्लियोमेट्रिक्स आर पैकेजः नेटवर्क विश्लेषण और विजुअलाइज़ेशन (सिद्धांत) | श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |

| विषय | विशेषज्ञों का नाम |
|---|---|
| वीओएस व्यूअर वेब संस्करण का उपयोग करके उन्नत उद्धरण विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन (सिद्धांत) | डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| ओपन डेटा का उपयोग करके बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण | डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| ऑर्किड आईडी और आईआरआईएनएस और शेरनी (SheRNI) के संदर्भ में अकादमिक पहचान | डॉ. कन्नन पी., वैज्ञानिक–सी (एलएस) |
| साइटेशन विश्लेषण से परेः ऑल्टमेट्रिक्स | श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एलएस) |

इनफ्लिबनेट तकनीकी स्टाफ के साथ बिब्लियोमेट्रिक और रिसर्च आउटपुट विश्लेषण पर एडवांस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

## शोध सूचना प्रबंधन प्रणाली (आरआईएमएस) पर तीन–दिवसीय कार्यशाला, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, 11 से 13 दिसंबर 2024

11 से 13 दिसंबर 2024 तक इनफ्लिबनेट सेंटर में तीन–दिवसीय शोध सूचना प्रबंधन प्रणाली (आरआईएमएस) कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सीएस) ने किया। श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ कन्नन पी., वैज्ञानिक–ई (एलएस) और श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एलएस) थे। डॉ कन्नन पी. ने वर्तमान शिक्षा और शोध के संदर्भ में आरआईएम के उद्देश्यों और आवश्यकताओं का विवरण देते हुए कार्यशाला का अवलोकन प्रदान किया। श्री पल्लब प्रधान ने उद्घाटन सत्र के अंत में प्रतिभागियों को औपचारिक धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन सत्र में, इनफ्लिबनेट सेंटर के वैज्ञानिक–एफ (सीएस) श्री मनोज कुमार के. ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए और वैज्ञानिक–बी (एलएस) श्रीमती हेमा चोलिन ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

श्रीमती अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने समापन सत्र का समन्वय किया और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी तकनीकी सत्रों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) और प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक

द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर आईटी प्रोफेशनल, एलआईएस प्रोफेशनल और शोध–विद्यार्थियों सहित कुल 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

| विषय | विशेषज्ञ |
|---|---|
| इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ | श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| शैक्षणिक पहचान अवलोकनः ऑर्सिड (ओआरसीआईडी) | श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| अवलोकन– शोध सूचना प्रबंधन प्रणाली (रिम्स – आरआईएमएस) | डॉ कन्नन पी., वैज्ञानिक–ई (एलएस) |
| ओपेन साइंस और परिप्रेक्ष्य | श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एलएस) |
| आईआरआईएनएस अवलोकन और शेरनी (SheRNI) | डॉ कन्नन पी., वैज्ञानिक–ई (एलएस) |
| ऑल्टमेट्रिक्स अवलोकन | श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एलएस) |
| शोध डेटा प्रबंधन | श्री दिव्यकांत रजनीकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सीएस) |
| सीआरआईएस / आईआरआईएनएस मानक, मेटाडेटा और डेटा स्रोत | श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एलएस) |
| डेटा क्यूरेशन और प्रोफ़ाइल निर्माण | सुश्री सविता देवी, एसटीए (एलएस) और प्रैक्टिकल टीम |
| डेटा क्यूरेशन और प्रोफ़ाइल निर्माण – अभ्यास | सुश्री सविता देवी, एसटीए (एलएस) और प्रैक्टिकल टीम |
| आईआरआईएनएस एनालिटिक्स और नोडल अधिकारी डैशबोर्ड | डॉ कन्नन पी., वैज्ञानिक–ई (एलएस) |
| शोधचक्र–स्कॉलर्स प्रोफ़ाइल और संसाधन प्रबंधन प्रणाली | श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| शोध मेट्रिक्स | डॉ कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| शोध एनालिटिक्स डैशबोर्ड | डॉ कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |

# इन्फ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम – पुस्तकालय स्वचालन (आईआरटीपीएलए)

## लाइब्रेरी ऑटोमेशन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईआरटीपीएलए), करियर महाविद्यालय, भोपाल, 18 – 22 नवंबर 2024

करियर महाविद्यालय (स्वायत्त) भोपाल और इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, गुजरात द्वारा संयुक्त रूप से 18 से 22 नवंबर 2024 तक लाइब्रेरी ऑटोमेशन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईआरटीपीएलए–2024) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 18 नवंबर 2024 को करियर महाविद्यालय (स्वायत्त) भोपाल में माधवराव सप्रे संग्रहालय, भोपाल, एमपी के संस्थापक निदेशक पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर ने किया। करियर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. चरणजीत कौर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दीं। इस सत्र के दौरान इनफ्लिबनेट सेंटर और करियर महाविद्यालय की साझेदारी की भी सराहना की गई।

श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एलएस), इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर, गुजरात ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को इनफ्लिबनेट सेंटर की गतिविधियों और सेवाओं के बारे में जानकारी दी और आईआरटीपीएलए कार्यक्रम का अवलोकन दिया। उन्होंने इनफ्लिबनेट की गतिविधियों और सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया जिसमें सूचना विज्ञान को बढ़ावा देना, डिजिटल लाइब्रेरी सेवाएँ, लाइब्रेरी नेटवर्किंग पहल, लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर, शैक्षणिक संसाधनों का डिजिटल वितरण और लाइब्रेरी नेटवर्किंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शामिल हैं। मुख्य अतिथि श्री श्रीधरजी ने लाइब्रेरी ऑटोमेशन और सोल (एसओयूएल) 3.0 के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि कैसे तकनीकी प्रगति और पुस्तकालयों में स्वचालन संसाधन प्रबंधन में सुधार कर सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए करियर महाविद्यालय की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को नए तकनीकी उपकरणों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। करियर महाविद्यालय के समूह निदेशक, प्रोफेसर प्रदीप जैन द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया जिन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके समर्थन के लिए इनफ्लिबनेट सेंटर और सभी आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम के महत्व पर ज़ोर दिया।

श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक बी (एलएस) और श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक बी (सीएस), इनफ्लिबनेट सेंटर के संदर्भित व्यक्ति थे। सभी सत्र सोल (एसओयूएल) 3.0 मॉड्यूल पर केंद्रित थे। प्रतिभागियों को प्रत्येक मॉड्यूल के सैद्धांतिक पहलुओं से परिचित कराया गया, उसके बाद एक व्यावहारिक सत्र आयोजित किया गया जहाँ प्रतिभागियों ने सीखी गई चीजों को व्यावहारिक रूप से लागू किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कुछ अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. पी. के. त्रिपाठी (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल) ने 'ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज़ (ओईआर)' पर एक प्रेरक व्याख्यान दिया जिसमें आधुनिक शिक्षा में उनके महत्व पर बल दिया गया। उन्होंने बताया कि कैसे ओईआर आजीवन सीखने की पद्धति को बढ़ावा देता है और शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने में योगदान करता है। उन्होंने ओईआर तक पहुँच प्रदान करने और उसे व्यापक शैक्षणिक प्रणाली में एकीकृत करने में पुस्तकालयों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। श्री मोहित गुप्ता (नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल) ने 'लाइब्रेरी सेवाओं में नवीन और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों' पर बात की। उन्होंने क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिज़िटल रिपॉज़िटरी जैसी तकनीकी प्रगति पर चर्चा की और बताया कि कैसे पुस्तकालय इन नवाचारों को अपनाकर सेवा वितरण में सुधार, उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने और प्रशासनिक कार्यों को सरल बना रहे हैं। डॉ. हरि सिंह गौड़ विश्वविद्यालय के उप–पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सराफ ने पुस्तकालयों को अपनी सेवाओं में विकास और नवाचार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय अब केवल पुस्तकों को संग्रहीत करने और प्रसारित करने के स्थान नहीं रह गए हैं बल्कि उन्हें सूचना केंद्रों में बदलना होगा जहाँ ज्ञान का आदान–प्रदान, शोध–अनुसंधान और शिक्षण नए तरीकों से फल–फूल सकता है।

करियर महाविद्यालय, भोपाल में लाइब्रेरी ऑटोमेशन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आईआरटीपीएलए) के प्रतिभागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम एक संवाद–सत्र के साथ संपन्न हुआ जहाँ प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे, विचार साझा किए, तथा सोल (एसओयूएल) 3.0 की विशेषताओं और पुस्तकालय प्रणालियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से संबन्धित अपनी शंकाओं को स्पष्ट किया व उनका समाधान प्राप्त किया।

समापन सत्र में, पाँच–दिवसीय कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए 67 प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उनके विचारों और अनुभवों को समझने के लिए सभी प्रतिभागियों से प्रतिक्रियाएँ ली गईं। सीखने और सहभागिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप से मान्यता देते हुए प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

# शोध–चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

**रिपोर्ट की अवधि के दौरान, इनफ्लिबनेट केंद्र ने शोध–चक्र पर निम्नलिखित 2 संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऑनलाइन और ऑफलाइन) आयोजित किएः**

| क्रम | संस्थान का नाम | प्रशिक्षण तिथि | नोडल अधिकारी | इनफ्लिबनेट की ओर से संदर्भित व्यक्ति |
|---|---|---|---|---|
| 1 | वनिता विश्राम महिला विश्वविद्यालय, सूरत | 10/24/2024 | शिवांगकुमार बी. मेहता | |
| 2 | गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद | 11/29/2024 | अतुल के. अकबरी | डॉ. अभिषेक कुमार |

# इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान आईएलएमएस पर निम्नलिखित ०2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

| क्रम | विश्वविद्यालय का नाम | प्रशिक्षण की तिथि | विशेषज्ञों | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय | 08–10–2024 | डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सीएस) और श्री अरशद रफीक खान | 10 |
| 2 | मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय | 06–11–2024 | डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सीएस) और श्री अरशद रफीक खान | 30 |

# ऑर्सिड (ORCID) आउटरीच कार्यक्रम (ORCID वैश्विक भागीदारी निधि)

पिछले जुलाई 2023 में प्रदान की गई ऑर्सिड वैश्विक भागीदारी निधि के हिस्से के रूप में इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध 'ऑर्सिड और स्कॉलर समुदायों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाओं पर निम्नलिखित एक एक–दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम' आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच अकादमिक पहचान, यानी ऑर्सिड के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करना और उनके बीच इनफ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न सेवाओं तथा गतिविधियों, विशेष रूप से आईआरआईएनएस तथा शोध–चक्र आदि के बारे में अधिक जागरूकता लाना था। प्रत्येक एक–दिवसीय कार्यक्रम के दौरान चार सत्रों का आयोजन किया गयाः ऑर्सिड और अकादमिक पहचान, भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस), शोध–चक्रः संसाधनों के लिए शोधकर्ताओं का प्रवेश द्वार और इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ।

| क्रम | कार्यक्रम दिनांक | मेजबान विश्वविद्यालय/संस्था | संसाधन व्यक्ति | कुल प्रतिभागी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 25 अक्टूबर 2024 | विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वीएनआईटी), नागपुर, महाराष्ट्र | डॉ. कन्नन पी. और डॉ. अभिषेक कुमार | 72 |

# आरडीएम (RDM) आउटरीच - डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड

पिछले दिसंबर 2023 में प्रदान किए गए डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड्स (डेटासाइट–जीएएफ) के हिस्से के रूप में, इनफ्लिबनेट सेंटर ने निम्नलिखित एक इन–पर्सन ट्रेन–द–ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित किया: ओपन रिसर्च डेटा मैनेजमेंट पर तीन–दिवसीय कार्यशाला, दो वेबिनार और आरडीएम आउटरीच कार्यक्रमों के तहत रिसर्च डेटा मैनेजमेंट (आरडीएम) पर छह एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

इनफ्लिबनेट केंद्र ने 7 से 9 अक्टूबर 2024 तक केंद्र में ओपन रिसर्च डेटा मैनेजमेंट पर एक इन–पर्सन ट्रेन–द–ट्रेनर कार्यक्रम–तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मदाली ने 7 अक्टूबर 2024 को कार्यशाला का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों को चुनने के लिए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण आयोजित किया गया था जिसमें सभी इच्छुक प्रोफेशनलों को इनफ्लिबनेट केंद्र में कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। सर्वेक्षण 25 जून 2024 को शुरू हुआ था और इसमें कुल 143 प्रोफेशनलों ने भाग लिया था। पूर्वनिर्धारित मानदंडों के आधार पर 35 प्रतिभागियों का चयन किया गया था। सभी प्रतिभागियों को समान अवसर देने के लिए प्रत्येक संस्थान से एक प्रतिभागी का चयन किया गया था। हालांकि केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में 27 प्रतिभागी ही भाग ले सके। सभी प्रतिभागियों को इनफ्लिबनेट केंद्र में कार्यक्रम के दौरान शिक्षण सामग्री, निःशुल्क आवास और भोजन उपलब्ध कराया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और पुस्तकालयाध्यक्षों को अनुसंधान डेटा प्रबंधन प्रथाओं पर ज्ञान प्रदान करना तथा उन्हें अपने संस्थानों में ओपेन शोध डेटा को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए कौशल और ज्ञान से लैस करना था।

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

| **विषय** | **विशेषज्ञ** |
|---|---|
| शोध–चक्र (इनफ्लिबनेट गतिविधियों और सेवाओं पर वृत्तचित्र वीडियो सहित) | डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| शोध डेटा प्रबंधन का परिचय | श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सीएस) |
| डेटा प्रबंधन योजना | श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सीएस) |
| डेटा एक्सेस नीति और फेयर (एफएआईआर) सिद्धांत | डॉ. मितेश कुमार पाण्ड्या, उप. लाइब्रेरियन, एनएफएसयू |
| डेटा क्यूरेशन और मेटाडेटा मानक | श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक–डी (एलएस) |
| डेटा उद्धरण का महत्व और चुनौतियाँ पर्ल (पीयूआरएल) और डीओआई | डॉ. मितेश कुमार पाण्ड्या, उप. लाइब्रेरियन, एनएफएसयू |
| डेटा रिपॉजिटरी– प्रदर्शन | श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |

| विषय | विशेषज्ञ |
|---|---|
| व्यावहारिक – डेटासेट को सूचीबद्ध करना | प्रैक्टिकल टीम |
| रिसर्च डेटा रिपॉजिटरी के साथ डेटासाइट और डीओआई एकीकरण | श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सीएस) |
| हैंड्स–ऑन | प्रैक्टिकल टीम |
| चर्चा और प्रस्तुति | प्रतिभागीगण |

इनफ्लिबनेट केंद्र ने परियोजना के लिए कुल छह वेबिनार आयोजित किए, जिनमें से दो रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान आयोजित किए गए, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध हैः

| क्रम | कार्यक्रम की तिथि | मेज़बान विश्वविद्यालय/संस्थानवे | बिनार का विषय | कुल प्रतिभागी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 23 अक्टूबर 2024 | इनफ्लिबनेट केंद्र | डेटा प्रबंधन योजनाओं में निपुणताः पहुँच, पुनः प्रयोज्यता और डेटा स्थायित्व सुनिश्चित करना | 222 |
| 2 | 14 नवंबर 2024 | इनफ्लिबनेट केंद्र | ओपेन डेटा के साथ शोध को बढ़ानाः डेटा उद्धरण, मेटाडेटा मानकों और डेटा प्रबंधन योजनाओं का महत्व | 199 |

डेटासाइट–जीएएफ परियोजना के हिस्से के रूप में, इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान विभिन्न उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान डेटा प्रबंधन (आरडीएम) पर छह एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है। प्रत्येक कार्यक्रम के दौरान संदर्भित व्यक्तियों द्वारा चार सत्र/विषय, यानी अनुसंधान डेटा प्रबंधनः एक अवलोकन, शोधकर्ताओं के लिए डेटा प्रबंधन योजना के सर्वोत्तम अभ्यास, पीआईडी और डेटासाइट की भूमिका तथा राष्ट्रीय अनुसंधान डेटा भंडारः एक अवलोकन, वितरित किए गए। तालिका के बाद सभी छह कार्यक्रमों की तस्वीरें प्रदान की गई हैं।

| क्रम | कार्यक्रम की तिथि | मेज़बान विश्वविद्यालय/संस्थानवे | संदर्भित व्यक्ति | कुल प्रतिभागी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 16 नवंबर 2024 | भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं शोध संस्थान भोपाल, मध्य प्रदेश | श्री दिनेश रंजन प्रधान, डॉ. मितेश कुमार पाण्ड्या | 70 |
| 2 | 25 नवंबर 2024 | तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरूर, तमिलनाडु | श्री हितेश कुमार सोलंकी, श्री पल्लब प्रधान | 98 |
| 3 | 30 नवंबर 2024 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर, उड़ीसा | श्री दिनेश रंजन प्रधान, श्री पल्लब प्रधान | 60 |
| 4 | 30 नवंबर 2024 | इंदिरा गांधी विकास शोध संस्थान (आईजीआईडीआर), मुंबई, महाराष्ट्र | डॉ. मितेश कुमार पाण्ड्या, श्री हितेश कुमार सोलंकी | 84 |
| 5 | 10 दिसंबर 2024 | जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, दिल्ली | डॉ अभिषेक कुमार, श्री दिव्यकांत आर वाघेला | 65 |
| 6 | 18 दिसंबर 2024 | गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम | श्री दिव्यकांत आर वाघेला, डॉ. मितेश कुमार पाण्ड्या | 74 |

आईआईएसईआर भोपाल में आरडीएम पर एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

सीयूटीएन तिरुवरुर में आरडीएम पर एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

आईआईटी भुवनेश्वर में आरडीएम पर एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

आईजीआईडीआर मुंबई में आरडीएम पर एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आरडीएम पर एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में आरडीएम पर एक–दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

# नई परियोजना/पहल - वन नेशन वन सब्स्क्रिप्शन (ओएनओएस) (ONOS)

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 नवंबर 2024 को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन पहल को मंजूरी दी। वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन का उद्देश्य स्टेम (एसटीईएम), चिकित्सा, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और मानविकी के विषयों वाले प्रमुख प्रकाशकों के विद्वत्तापूर्ण शोध ई–पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करना है।

15 अगस्त 2022 को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में भारत के प्रधानमंत्री ने अमृत काल में हमारे देश में अनुसंधान और विकास के महत्व को इंगित किया था। उन्होंने इस अवसर पर 'जय अनुसंधान' का स्पष्ट आह्वान किया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) ने भी हमारे देश में उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए शोध को एक आवश्यक शर्त के रूप में पहचाना है।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने और विकसितभारत/2047 के दृष्टिकोण के मद्देनज़र, भारत सरकार ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों तथा केंद्र सरकार के शोध एवं विकास संस्थानों द्वारा प्रबंधित सभी उच्च शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अंतरराष्ट्रीय शीर्ष–गुणवत्ता वाले विद्वानों के शोध लेखों और पत्रिका प्रकाशनों तक देशव्यापी पहुँच प्रदान करने के लिए वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) योजना को मंजूरी दी।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) का उद्देश्य सबसे प्रमुख जर्नल प्रकाशकों से ई–जर्नल/डेटाबेस सब्सक्रिप्शन के लिए राष्ट्रीय लाइसेंस प्राप्त करना है। वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन में कुल 30 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय जर्नल प्रकाशकों को शामिल किया गया है। इन प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित सभी जर्नल भाग लेने वाले संस्थानों के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं के लिए सुलभ होंगे। इस पहल से लगभग 1.8 करोड़ विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और सभी विषयों के वैज्ञानिकों के लिए शीर्ष–गुणवत्ता वाले विद्वानों की पत्रिकाओं में उपलब्ध ज्ञान की एक सोने की खान खुल जाएगी, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों के लोग भी शामिल हैं, जिससे देश में कोर के साथ–साथ अंतःविषय शोध को भी बढ़ावा मिलेगा।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) 1 जनवरी 2025 से अपना संचालन शुरू करेगा। ओएनओएस चरण–ए को कैलेंडर वर्ष 2025, 2026 और 2027 के लिए अनुमोदित किया गया है। यूजीसी के एक स्वायत्त आईयूसी (अंतर–विश्वविद्यालय केंद्र) इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर को ओएनओएस के कार्यान्वयन की देखरेख के लिए कोर कमिटी द्वारा कार्यान्वयन और निष्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। पत्रिकाओं तक पहुँच संस्थान के कैंपस आईपी पते या इनफ्लिबनेट में स्थापित आईएनएफईडी एक्सेस फेडरेशन के माध्यम से कैंपस के बाहर उपलब्ध कराई जाएगी। संसाधनों को मोबाइल सहित किसी भी डिवाइस के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के पास एक एकीकृत पोर्टल, "वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन" (https%@@www-onos-gov-in) होगा, जिसके माध्यम से संस्थान पत्रिकाओं तक पहुँच सकेंगे। एएनआरएफ समय–समय पर वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन के उपयोग और इन संस्थानों के भारतीय लेखकों के प्रकाशनों की समीक्षा करेगा।

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन, सरकारी संस्थानों में सभी विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं के लिए शोध को आसान बनाकर, वैश्विक शोध तंत्र में भारत को स्थापित करने की दिशा में एक समयोचित कदम है।

# इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

## शोध–चक्रः शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार

शोध–चक्र, यूजीसी के मार्गदर्शन में इनफ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य अकादमिक समुदाय को उनके शोध के दौरान मदद करना है। शोध–चक्र शोधकर्ता, मार्गदर्शक / पर्यवेक्षक और विश्वविद्यालय को शोधार्थी के शोध का प्रबंधन करने के लिए एक अनूठा स्थान प्रदान करता है। यह पोर्टल लाखों संसाधनों (पूर्ण–पाठ थीसिस सहित) और शोध कार्य के दौरान शोधकर्ता के लिए आवश्यक उपकरणों से एकीकृत है। कुल 145 विश्वविद्यालयों ने शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ पहले ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें 6 वे विश्वविद्यालय शामिल हैं जिन्होंने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इन 6 विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया हैः

| क्रम | संस्थानों/विश्वविद्यालयों का नाम | विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि | इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | बिनोद बिहारी महतो कोयाकांचल विश्वविद्यालय, झारखंड | 25–09–2024 | 05–11–2024 |
| 2 | सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात | 24–10–2024 | 24–10–2024 |
| 3 | एन. वी. के. एस. डी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कन्नियाकुमारी, तमिलनाडु | 18–10–2024 | 24–10–2024 |
| 4 | नेहरू कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु | 25–09–2024 | 24–10–2024 |
| 5 | तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुरु, कर्नाटक | 12–11–2024 | 27–11–2024 |

24 अक्टूबर 2024 को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर और इनफ्लिबनेट शोध–चक्र केंद्र के बीच हुए समझौता ज्ञापन की एक झलक निम्न प्रस्तुत हैः

## अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर को आईएसबीएन पोर्टल के तकनीकी रखरखाव के साथ–साथ पंजीकरण, आवेदन और आईएसबीएन आवंटन सहित अपनी दैनिक गतिविधियों के प्रबंधन और निष्पादन का कार्य सौंपा गया है। रिपोर्ट की गई अवधि (1 अक्टूबर 2024 से 31 दिसंबर 2024) के दौरान, 3,276 हितधारकों ने आईएसबीएन पोर्टल पर पंजीकरण कराया जहाँ 10,405 आवेदन प्राप्त हुए और हितधारकों/प्रकाशकों को 1,52,724 आईएसबीएन आवंटित किए गए।

## विद्वान और भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस)

विद्वान (वीआईडीडबल्यूएएन) डेटाबेस में रिपोर्ट की गई अवधि तक 2,73,321 से अधिक संकाय सदस्यों की विस्तृत प्रोफ़ाइल शामिल हैं। आईआरआईएनएस, इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान की जाने वाली वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आरआईएम) सेवा है जो शैक्षणिक, शोध एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को विद्वानों की संचार गतिविधियों को इकट्ठा करने, क्यूरेट करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करती है और एक विद्वान–नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करती है। इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि तक संस्थानों के लिए 1,421 आईआरआईएनएस इंस्टेंस बनाए हैं, जिनमें रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान बनाए गए 106 आईआरआईएनएस इंस्टेंस शामिल हैं। आईआरआईएनएस ने इस परियोजना के माध्यम से 2,16,112 संकाय सदस्यों को जोड़ा है। रिपोर्ट अवधि तक परियोजना ने विभिन्न स्रोतों से 28.80 लाख से अधिक (29,87,734) प्रकाशन मेटाडेटा प्राप्त किए, 262 लाख से अधिक (2,62,70,809) उद्धरण प्राप्त किए तथा 103.35 लाख से अधिक (1,03,35,241) ऑल्टमेट्रिक्स उल्लेख प्राप्त किए।

## ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल (टी.जी. पोर्टल)

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, भारत सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र ने 'ट्रांसजेंडरों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल किसी ट्रांसजेंडर व्यक्ति को किसी भी कार्यालय में जाए बिना देश में कहीं से भी प्रमाणपत्र और पहचान पत्र के लिए डिज़िटल रूप से आवेदन करने में सक्षम बनाता है। केंद्र ने समझौता ज्ञापन के अनुसार सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा है। नीचे दी गई तालिका रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों, जारी किए गए प्रमाणपत्रों और पहचानपत्रों आदि की संख्या के बारे में आँकड़े दिखाती है।

| ट्रांसजेंडर पोर्टल जुलाई – सितंबर 2024 | |
|---|---|
| **श्रेणी** | **आवेदनों की संख्या** |
| आवेदन प्राप्त हुए | 2010 |
| आवेदन अपात्र | 120 |
| जारी किए गए प्रमाणपत्र | 587 |
| जारी किए गए पहचानपत्र | 586 |

## शोधगंगाः भारतीय शोध प्रबंधों का भण्डार

वर्ष 2024 की चौथी तिमाही को शोधगंगा के लिए एक उल्लेखनीय अवधि के रूप में चिह्नित किया गया है और इसकी वृद्धि विश्वविद्यालयों/सीएफटीआई/आईएनआई से पीएचडी थीसिस को शामिल करने और शोधगंगा के उन्नयन के परीक्षण द्वारा चिह्नित की गई है। भारतीय विश्वविद्यालयों में पूर्ण–पाठ थीसिस का भंडार, शोधगंगा, रिपोर्ट के तहत अवधि (अक्टूबर–दिसंबर 2024) के दौरान कुल 5,76,731 पूर्ण–पाठ थीसिस और 16,914 थीसिस अपलोड करने के साथ उत्तरोत्तर विकसित हुआ है (चित्र 1)।

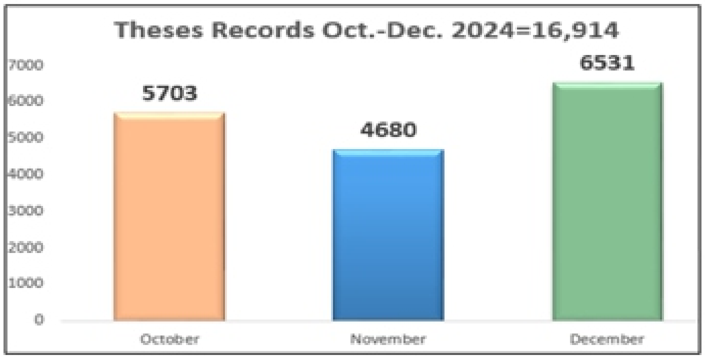


चित्र 1: शोधगंगा पर अपलोड किए गए शोध प्रबंध

इस प्रकार, 31 दिसंबर 2024 तक कुल 942 (832 विश्वविद्यालय + 110 सीएफटीआई/आईएनआई) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 15 समझौता ज्ञापन (13 विश्वविद्यालय + 2 सीएफटीआई) हुए जिससे शोधगंगा में पूर्ण–पाठ थीसिस की संख्या में वृद्धि हुई है।

## नवगठित शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति (एसएनएससी) की सिफारिशें

21 अगस्त 2024 को आयोजित नवगठित शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति (एसएनएससी) की बैठक में मौजूदा सर्वरों को अतिरिक्त सर्वर और स्टोरेज स्पेस के साथ अपग्रेड करने की सिफारिश की गई। शोधगंगा 2.0 में सुधार के लिए की गई सिफारिश के अनुसार, समिति ने मौजूदा/मौजूदा डेटाबेस को डीस्पेस 5.3 से 7.6.1 में माइग्रेट करने का परीक्षण किया।

सिफारिशों के अनुसार, शोधगंगा के सुचारू क्रियान्वयन के लिए वर्तमान समझौता ज्ञापन में आवश्यक संशोधन किए जा रहे हैं ताकि प्रतिबंध और डीआरएम/कानूनी मुद्दों से निपटा जा सके। प्लैगियरिज़्म की रिपोर्ट, विद्यार्थी कॉपीराइट अंडरटेकिंग, यूनिक रिसर्चर आईडी, सीसी बाय एनसी में संशोधन, एक–पृष्ठ प्लैगियरिज़्म की रिपोर्ट/प्रमाणपत्र/सारांश रिपोर्ट को शोधगंगा में अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। प्रतिबंध पर नीति संशोधन समझौता ज्ञापन में शामिल है और कानूनी विशेषज्ञ द्वारा जाँच के अनुसार, लाइसेंस/कॉपीराइट मुद्दों के साथ समझौता ज्ञापन संशोधन किए गए हैं तथा समझौता ज्ञापन में संशोधन पर हस्ताक्षर करने के लिए शोधगंगा में शामिल सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को भेजा गया है।

### शोधगंगोत्री

आयुष मंत्रालय के अनुरोध पर शोधगंगोत्री अब पीजी शोध प्रबंधों के लिए भी खुला है। वर्तमान में इस संग्रह में 142 विश्वविद्यालयों द्वारा योगदान किए गए 15,252 सारांश/एमआरपी/पीडीएफ/फेलोशिप/पीजी शोध प्रबंध हैं। रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 364 सारांश/एमआरपी/पीडीएफ/फेलोशिप/पीजी शोध प्रबंध जोड़े गए।

## शोध शुद्धि – प्लैगियरिज़्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर (पीडीएस)

शिक्षा मंत्रालय अपनी पहल शोध शुद्धि के माध्यम से सभी विश्वविद्यालयों, जिनमें केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं, के साथ–साथ भारत में केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों/राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (सीएफटीआई/आईएनआई) को प्लैगियरिज़्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर (पीडीएस) तक पहुँच प्रदान करता है ताकि शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक अखंडता को बढ़ाया जा सके और प्लैगियरिज़्म पर अंकुश लगाया जा सके। यह 1 सितंबर 2019 से प्रभावी है। अक्टूबर 2023 में एक नया पीडीएस सॉफ्टवेयर (यानी, ड्रिलबिट एक्सट्रीम) खरीदा गया तथा 1100 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान किया गया। मौजूदा आदेश को समान नियमों एवं शर्तों के तहत मूल्यांकन समिति की सिफारिश के आधार पर अक्टूबर 2025 तक एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है।

31 दिसंबर 2024 तक, 1149 (857 सक्रिय) विश्वविद्यालयों/संस्थानों से समानता/प्लैगियरिज़्म की जाँच के लिए कुल 49,89,415 दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए हैं। प्रोजेक्ट शोधशुद्धि में हर साल 20 अतिरिक्त के साथ 10 लाख दस्तावेज़ों का उपयोग करने की परिकल्पना की गई थी और अब 31 दिसंबर 2024 के अंत तक 49.89 लाख दस्तावेज़ प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

## पीडीएस के उपयोग के आँकड़े

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस में कुल 1,65,773 दस्तावेज जमा किए गए। आँकड़ा 2 पिछले तीन महीनों (अक्टूबरः 50604, नवंबरः 48563, दिसंबरः 66606) में जमा किए गए दस्तावेजों की संख्या दर्शाता है; औसत 55,257 था। आँकड़ा 3 रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की महीनेवार संख्या दर्शाता है। रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस में कुल 5,969 नए उपयोगकर्ता जोड़े गए।

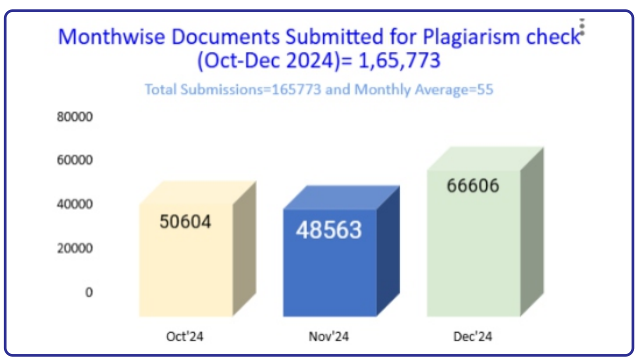


चित्र 2ः पीडीएस में महीनेवार जमा हुईं प्रस्तुतियों की संख्या (अक्टूबर–दिसंबर 2024)

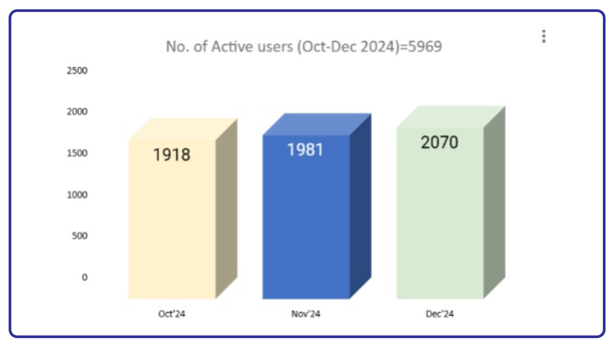


चित्र 3ः सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या

# अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

## इनफ्लिबनेट केंद्र ने 14 अक्टूबर 2024 को रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय (आरसीयूबी), बेलगावी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

इनफ्लिबनेट सेंटर की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. मदल्ली ने 14 अक्टूबर 2024 को रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय (आरसीयूबी), बेलगावी के केंद्रीय पुस्तकालय में इनफ्लिबनेट सेवा कॉर्नर का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय द्वारा आवश्यक अनुसंधान सेवाओं तक पहुँच को बढ़ाना है। इस अवसर पर आरसीयूबी में इनफ्लिबनेट सेवाओं को लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

आरसीयूबी प्राधिकारियों के साथ प्रोफेसर देविका पी. मदल्ली (निदेशक)

## नवरात्रि उत्सव

इनफ्लिबनेट सेंटर ने नवरात्रि उत्सव को बड़े उत्साह के साथ मनाया। 7 अक्टूबर 2024 को अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए गरबा रात्रि का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत दुर्गा पूजा से हुई और कैंपस के सभी लोग, कर्मचारी और उनके परिवार इसमें शामिल हुए। कर्मचारी और उनके परिवार गरबा नृत्य के लिए अपने सबसे अच्छे पारंपरिक परिधान में आए। इनफ्लिबनेट सेंटर की निदेशक प्रोफेसर देविका मदल्ली ने सर्वश्रेष्ठ नृत्य कलाकारों, सर्वश्रेष्ठ वस्त्र पहने व्यक्तियों और बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। समारोह का समापन औपचारिक रात्रिभोज के साथ हुआ।

**इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर में नवरात्रि उत्सव**

## निःशुल्क आयुर्वेदिक परामर्श

16 अक्टूबर 2024 को सरकारी आयुर्वेदिक अस्पताल, गांधीनगर के सहयोग से इनफ्लिबनेट स्टाफ सदस्यों के लिए एक निःशुल्क आयुर्वेद उपचार शिविर का आयोजन किया गया। उप चिकित्सा अधीक्षक वैद्य (डॉ.) राकेश भट्ट और उनकी टीम ने स्टाफ सदस्यों की नाड़ी की जाँच करके रोगियों का उपचार किया।

## सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 का पालन

इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति' विषय पर 28 अक्टूबर 2024 से 3 नवंबर 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया गया। इस संबंध में 30 अक्टूबर 2024 को इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के सभागार में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–ई (सीएस) और सीवीओ श्री यात्रिक पटेल ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के बारे में परिचय दिया जिसके बाद श्री हरीश चंद्र, एओ (पीएंडए) ने संभाषण दिया। श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सीएस) और निदेशक (आई/सी) ने समापन भाषण दिया। सभी कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों ने इसमें भाग लिया और सतर्कता शपथ ली।

# कर्मचारी समाचार

**श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)**

श्री मनोज कुमार के. को निम्नलिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- उन्होंने 4–6 नवंबर 2024 को लिविंगस्टोन, जाम्बिया में आयोजित इलेक्ट्रॉनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी 2024) पर 27वें अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- स्वामीनारायण विश्वविद्यालय, गांधीनगर द्वारा पीएचडी विद्वानों और पीएचडी पर्यवेक्षकों के लिए 18 अक्टूबर 2024 को शोध में चोरी और अकादमिक अखंडता पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा पीएचडी पाठ्यक्रम 2024 में व्याख्यान देने के लिए एक संदर्भित व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। इसके लिए, (1) बौद्धिक ईमानदारी और शोध अखंडता और (2) प्रकाशन कदाचार: परिभाषा, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार की ओर ले जाने वाली समस्याएँ और इसके विपरीत–विषयों पर दो वीडियो व्याख्यान विश्वविद्यालय की पारस्परिक सुविधा के अनुसार रिकॉर्ड किए जाएँगे।

**डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)**

डॉ. अभिषेक कुमार को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- उन्होंने 25 अक्टूबर 2024 को एमएमटीटीसी, तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान 'ई–कंटेंट एडिटिंग एंड शेयरिंग' पर एक व्याख्यान दिया।
- 21 नवंबर 2024 को एमएमटीपी, एनईएचयू शिलॉन्ग द्वारा आयोजित शोध पद्धति में लघु–अवधि पाठ्यक्रम के दौरान भारतीय शोध सूचना नेटवर्क प्रणाली (आईआरआईएनएस) और शोध–चक्र पर व्याख्यान दिए।
- 13 नवंबर 2024 को दीमापुर सरकारी महाविद्यालय में एक सप्ताह के राज्य स्तरीय एफडीपी के दौरान भारतीय शोध सूचना नेटवर्क सिस्टम (आईआरआईएनएस) पर एक व्याख्यान दिया।
- 17 दिसंबर 2024 को ई–लर्निंग कंटेंट क्रिएशन प्लेटफॉर्म पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।
- 21 दिसंबर 2024 को एमएमसी, तेजपुर विश्वविद्यालय और नोबल विश्वविद्यालय, जूनागढ़ द्वारा आयोजित ऑनलाइन पाठ्यक्रम/कार्यक्रम विकास पर एसटीसी के लिए ऑनलाइन व्याख्यान के दौरान ई–लर्निंग टूल्स और प्रौद्योगिकियों पर दो व्याख्यान दिए।
- 27 दिसंबर 2024 को नोबल विश्वविद्यालय, जूनागढ़ में 'इंजीनियरिंग, प्रबंधन, वाणिज्य, विज्ञान, पैरा–मेडिकल विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान, फार्मेसी, कंप्यूटर अनुप्रयोग, शिक्षा और मानविकी में हाल के रुझान' (नोबकॉन–2024) पर सम्मेलन में भाग लिया।

**डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)**

डॉ. कृति त्रिवेदी को 4 नवंबर 2024 को आईआईआईटी–दिल्ली पुस्तकालय एवं सूचना केंद्र में 'शोध मेट्रिक्स गणना एवं संदर्भ' पर संदर्भित व्यक्ति के रूप में एक सत्र देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

**श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक डी (एलएस)**

श्री दिनेश रंजन प्रधान को 21 दिसंबर 2024 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में आईआरआईएनएस और शोध–चक्र पर एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

**श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)**

श्री पल्लब प्रधान को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

⏭ उन्हें 12 से 14 नवंबर 2024 तक सैन जोस, कोस्टा रिका में आयोजित रिसर्च डेटा एलायंस (आरडीए) के 23वें पूर्ण अधिवेशन में व्यक्तिगत रूप से भाग लेने के लिए एलएमआईसी अनुदान के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए चुना गया लेकिन उन्होंने पूरी तरह से ऑनलाइन छात्रवृत्ति का विकल्प चुना और ऑनलाइन ही उसमें भाग लिया।

⏭ जोहर लॉर्ड बुद्धा फाउंडेशन (जेएलबीएफ), राँची, झारखंड द्वारा जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के स्नातक विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो महीने की अवधि के इंटर्नशिप कार्यक्रम, 'सूचना और ज्ञान प्रबंधन में आईसीटी की भूमिका' में 16 दिसंबर 2024 को इनफ्लिबनेटः सूचना संसाधन और सेवाओं पर एक ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

⏭ यूजीसी–एमएमटीटीसी, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा 3 दिसंबर 2024 से 30 दिसंबर 2024 तक आयोजित ऑनलाइन 9वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) – गुरु दक्ष के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और 14 दिसंबर 2024 को 11वें दिन 'इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ' और नैतिक शोध अभ्यास, बिब्लियोमेट्रिक और ओआरसीआईडी आईडी के लाभ पर व्याख्यान दिए गए।

⏭ यूजीसी–एमएमटीटीसी, संबलपुर विश्वविद्यालय द्वारा 2 नवंबर 2024 से 29 नवंबर 2024 तक आयोजित ऑनलाइन 9वें फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) – गुरु दक्ष के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया और 09 नवंबर 2024 को 'इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ' पर व्याख्यान दिए गए।

⏭ पीएचडी स्कॉलर्स के लिए शोध और प्रकाशन पर कोर्सवर्क के दौरान व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

⏭ गुजरात नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी में 9 से 13 नवंबर 2024 तक आयोजित एथिक्स में 10 नवंबर 2024 को निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित किए गए:

⏭ o **व्याख्यान** I – एसपीपीयू द्वारा विकसित प्रीडेटरी पब्लिकेशनों की पहचान करने के लिए सॉफ्टवेयर उपकरणः यूजीसी–केयर पत्रिकाओं की सूची; जर्नल खोजक/जर्नल सुझाव उपकरण जैसे जेन, एल्सेवियर जर्नल फाइंडर, स्प्रिंगर जर्नल सुझावकर्ता आदि।

o **व्याख्यान** II – जर्नल साइटेशन रिपोर्ट, एसएनआईपी, एसजेआर, आईपीपी, साइट स्कोर मेट्रिक्स के अनुसार जर्नल का प्रभाव कारकः एच–इंडेक्स, जी–इंडेक्स, आई–10 इंडेक्स, एल्मेट्रिक्स

**श्री राजा वी., वैज्ञानिक सी (सीएस)**

श्री राजा वी. ने 28–29 नवंबर 2024 तक टीईक्यूआईपी–ष्ष् कार्यक्रम के लिए कोचीन, केरल के कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में एक संदर्भित व्यक्ति के रूप में कार्य किया और इनफ्लिबनेट गतिविधियों और आईएनएफईडी के बारे में व्याख्यान दिए।

**श्री देवांग रॉय, कार्यालय सहायक (प्रशासन)**

⏭ 14 दिसंबर 2024 को विशिष्ट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर द्वारा आयोजित 'एसडीजी प्राप्त करने के लिए वैश्विक व्यापार–गतिविधियों और सामाजिक–आर्थिक प्रगति में प्रतिमान बदलाव' पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'डिज़िटल एचआर परिवर्तनः एचआर प्रौद्योगिकी कॉ अपनाने और प्रभाव पर एक अध्ययन' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया।

⏭ 1 से 6 दिसंबर 2024 तक एडीए विश्वविद्यालय, बाकू, अजरबैजान के साथ साझेदारी में आईएफएलए द्वारा आयोजित 18वें आईएफएलए आईएलडीएस इंटरलेंडिंग और दस्तावेज़ आपूर्ति सम्मेलन, 'वैश्विक से स्थानीयः संसाधन साझाकरण में विविधता और समावेशिता' में भाग लिया।

# उपयोगकर्ताओं की राय

**शोधगंगा के लिए**

एक मैंने 2004 में जीएनडीयू अमृतसर से स्नातक किया। अब मैं कनाडा में बस गया हूँ। मुझे हाल ही में आपकी टीम द्वारा किए गए एक बेहतरीन प्रयास के बारे में पता चला, जिसने शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध एक विशाल डेटाबेस 'शोधगंगा' का निर्माण किया है।

मेरे पास अपनी पीएचडी थीसिस की हार्ड कॉपी है। क्या कोई ऐसा तरीका है जिससे मैं शोधगंगा पर थीसिस अपलोड कर सकूँ। मेरे विश्वविद्यालय में बहुत सीमित संसाधन हैं जो मेरे लिए थीसिस अपलोड कर सकें। कृपया सलाह दें कि मैं शोधगंगा पर थीसिस कैसे अपलोड कर सकता हूँ।

सादर,<br>
मनिंदर सिंह पीएचडी

Cabinet

Azadi Ka Amrit Mahotsav

## Cabinet approves One Nation One Subscription (ONOS)

The Prime Minister in his address to the Nation from the ramparts of the Red Fort on 15th August, 2022, had pointed out the importance of Research and Development in our country in the Amrit Kaal. He had given the clarion call of "Jai Anusandhan" on the occasion.

The NEP 2020 has also identified research as a corequisite for outstanding education and development in our country.

The establishment of Anusandhan National Research Foundation by the Government of India was a step in this direction.

In response to the vision of making India Atmanirbhar and Viksitbharat@2047, the Union Cabinet approves One Nation One Subscription scheme to provide country-wide access to international high impact scholarly research articles and journal publications to students, faculty and researchers of all Higher Education Institutions managed by the central government and state governments and Research & Development Institutions of the central government.

The initiative will open a goldmine of knowledge available in top quality scholarly journals to nearly 1.8 crore students, faculty, researchers and scientists of all disciplines, including those in tier 2 and tier 3 cities, thereby encouraging core as well as interdisciplinary research in the country.

A total of 30 major international journal publishers have been included in One Nation One Subscription. All of the nearly 13,000 e-journals published by these publishers will now be accessible to more than 6,300 government Higher Education Institutions and central government R&D institutions.

Access to journals will be provided through a national subscription coordinated by the Information and Library Network (INFLIBNET), an autonomous inter-university centre of the University Grants Commission (UGC) through an entirely digital process

---

5 ಅಕ್ಟೋಬರ್ 2024 twitter.com/vijaykarnataka facebook.com/vijaykarnataka

### ರಾಣಿ ಚನ್ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದಲ್ಲಿ ಇನ್‌ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ಕೇಂದ್ರ ಉದ್ಘಾಟನೆ

# ಸಂಶೋಧನೆ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ವೃದ್ಧಿಗೆ ಆದ್ಯತೆ

■ ವಿಕ ಸುದ್ದಿಲೋಕ ಬೆಳಗಾವಿ

ರಾಣಿ ಚನ್ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ ತನ್ನ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಮತ್ತು ಸಂಶೋಧನಾ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ವಿಸ್ತರಿಸುವಲ್ಲಿ ಮಹತ್ತರ ಹೆಜ್ಜೆ ಇಟ್ಟಿದೆ ಎಂದು ಇನ್‌ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ನಿರ್ದೇಶಕಿ ಪ್ರೊ. ದೇವಿಕಾ ಮಡಳ್ಳಿ ತಿಳಿಸಿದರು.

ರಾಣಿ ಚನ್ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದಲ್ಲಿ ಸೋಮವಾರ ಇನ್‌ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ಕೇಂದ್ರ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದ ಅವರು,'' ರಾಣಿ ಚನ್ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ ಇನ್‌ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ಜತೆ ಒಡಂಬಡಿಕೆ ಮಾಡಿಕೊಂಡಿದ್ದು, ಈ ಮೂಲಕ ನಾನಾ ರೀತಿಯ ಸೇವೆಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗುವುದು. ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಸಂಶೋಧನಾ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ನೋಂದಣಿ (ಎನ್.ಆರ್.ಡಿ.ಆರ್) ಯೋಜನೆ ಮೂಲಕ ಸಂಶೋಧಕರಿಗೆ ಅಗತ್ಯವಿರುವ ಸಂಪನ್ಮೂಲಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲು ಉದ್ದೇಶಿಸಲಾಗಿದೆ,'' ಎಂದು ಅವರು ಹೇಳಿದರು.

ರಾಣಿ ಚನ್ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ ಹಾಗೂ ಇನ್‌ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ಮುಖ್ಯಸ್ಥರು ಪರಸ್ಪರ ಒಡಂಬಡಿಕೆ ವಿನಿಮಯ ಮಾಡಿಕೊಂಡರು.

ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದ ಹಣಕಾಸು ಅಧಿಕಾರಿ ಎಂ. ಎ. ಸಪ್ನಾ ಮಾತನಾಡಿ, ಈ ಒಡಂಬಡಿಕೆಯಿಂದ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ವಲಯಕ್ಕೆ ಹೇಗೆ ಪ್ರಯೋಜನವಾಗಲಿದೆ ಎಂಬುದನ್ನು ವಿವರಿಸಿದರು.

ಇದೇ ವೇಳೆ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಸಹಕಾರ ಮತ್ತು ಸಂಶೋಧನೆಗೆ ಅನುಕೂಲವಾಗುವ ಸಂಪನ್ಮೂಲಗಳನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳುವ ಒಪ್ಪಂದಕ್ಕೆ ಸಹಿ ಮಾಡಲಾಯಿತು.

ಪ್ರೊ. ಎಂ. ಸಿ. ಯರ್ರಿಸ್ವಾಮಿ, ಡಾ. ಕವಿತಾ ಕುಸುಗಲ್ ಮತ್ತು ಪ್ರಸಾರಾಂಗ ನಿರ್ದೇಶಕಿ ಡಾ. ಪೂಜಾ ಹಳ್ಯಾಳ್ ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು. ಗ್ರಂಥಪಾಲಕ ಪ್ರೊ. ವಿನಾಯಕ ಬಂಕಾಪುರ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಸಂಯೋಜಿಸಿದರು. ಡಾ. ಸುಮನ ಮುದ್ದಾಪೂರ ಸ್ವಾಗತಿಸಿದರು. ಲಕ್ಷ್ಮಿ ಕಾಂಬ್ಳೆ ನಿರೂಪಿಸಿದರು. ಡಾ. ಕಿರಣ ಸವಣೂರು ವಂದಿಸಿದರು.

---

# RCUB, INFLIBNET Centre sign MoU for academic collaboration

BELAGAVI, DHNS

Rani Channamma University, Belagavi (RCUB) inaugurated the INFLIBNET Centre of Gandhinagar, Gujarat marking a significant milestone in enhancing academic resources and research capabilities within the institution on Monday.

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between the RCUB Library and INFLIBNET Centre, aiming to enhance academic collaboration and resource sharing.

The partnership will include initiatives such as improving access to digital resources, developing library services and fostering research through shared knowledge and expertise. It will contribute significantly to the academic growth of institutions by leveraging technology and resources more effectively.

INFLIBNET Director Devika Madalli inaugurated the centre and also provided an overview of the evolution of INFLIBNET since its inception in 1991. Prof Madalli traced the journey of INFLIBNET highlighting its extensive growth and the pivotal role it plays in library automation, e-learning and e-governance initiatives across universities in India. She emphasised several key projects and services.

She elaborated on platforms such as Shoda Ganga, Shodha Gangotri, Shoda Shuddi, Shoda Chakra, Vidya Mitra, and Swayam. She also highlighted the recently launched SheRNI, a network dedicated to empowering women scientists and scholars through collaborative research efforts.

RCUB Registrar Santosh Kamagouda in his presidential remarks emphasised the importance of digital resources in modern education.

He also said that it was an important milestone in the history of RCUB and in days to come it would help the research programmes.

Finance Officer M A Sapna shared impressions on the initiative acknowledging its potential impact on the university's academic landscape.

RCUB Registrar Santosh Kamagouda and INFLIBNET Centre Director Devika Madalli exchang a MoU for academic collaboration in Belagavi on Monday. DH PHOTO

---

# ...ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ಜೊತೆ ರಾಣಿ ಚನ್ನಮ್ಮ ಒಡಂಬಡಿಕೆ
# ...ಫ್ಲಿಬ್ ನೆಟ್ ಕೇಂದ್ರದ ಉದ್ಘಾಟನಾ ಸಮಾರಂಭ

---

# INFLIBNET and RCU sign an MOU to foster research

EXPRESS NEWS SERVICE @ Belagavi

RANI Channamma University (RCU), Belagavi, organised the inauguration of the INFLIBNET Centre, marking a significant milestone in enhancing academic resources and research capabilities within the institution. The event featured a special lecture by Prof Devika Madalli, Director of INFLIBNET, Gujarat, who inaugurated the centre and also provided an insightful overview of the evolution of INFLIBNET since its inception in 1991.

A Memorandum of Understanding (MoU) was also signed between the Library, Rani Channamma University and INFLIBNET Centre, aiming to enhance academic collaboration and resource sharing. This partnership will include initiatives such as improving access to digital resources, developing library services, and fostering research through shared knowledge and expertise. The agreement will contribute significantly to the academic growth of institutions by leveraging technology and resources more effectively.

In her presentation, Prof Madalli traced the remarkable journey of INFLIBNET, highlighting its extensive growth and the pivotal role it plays in library automation, e-learning, and e-governance initiatives across universities in India. She emphasised several key projects and services, including Open Access Initiatives, Accreditation and Ranking and Research Development.

Program was presided over by Santosh Kamagouda, Registrar of RCU. The event was convened by Prof Vinayak Bankapur, librarian, and Dr Suman Muddapur deputy librarian.

The Dean of Faculty of Education, Prof MC Yerriswamy, Head of English Dept Dr Kavita Kusugal, Director, Prasaranga of RCUB Dr Pooja Halyal, also spoke on the occasion.

Prof Devika Madalli, director of INFLIBNET, and RCU registrar after signing the MoU

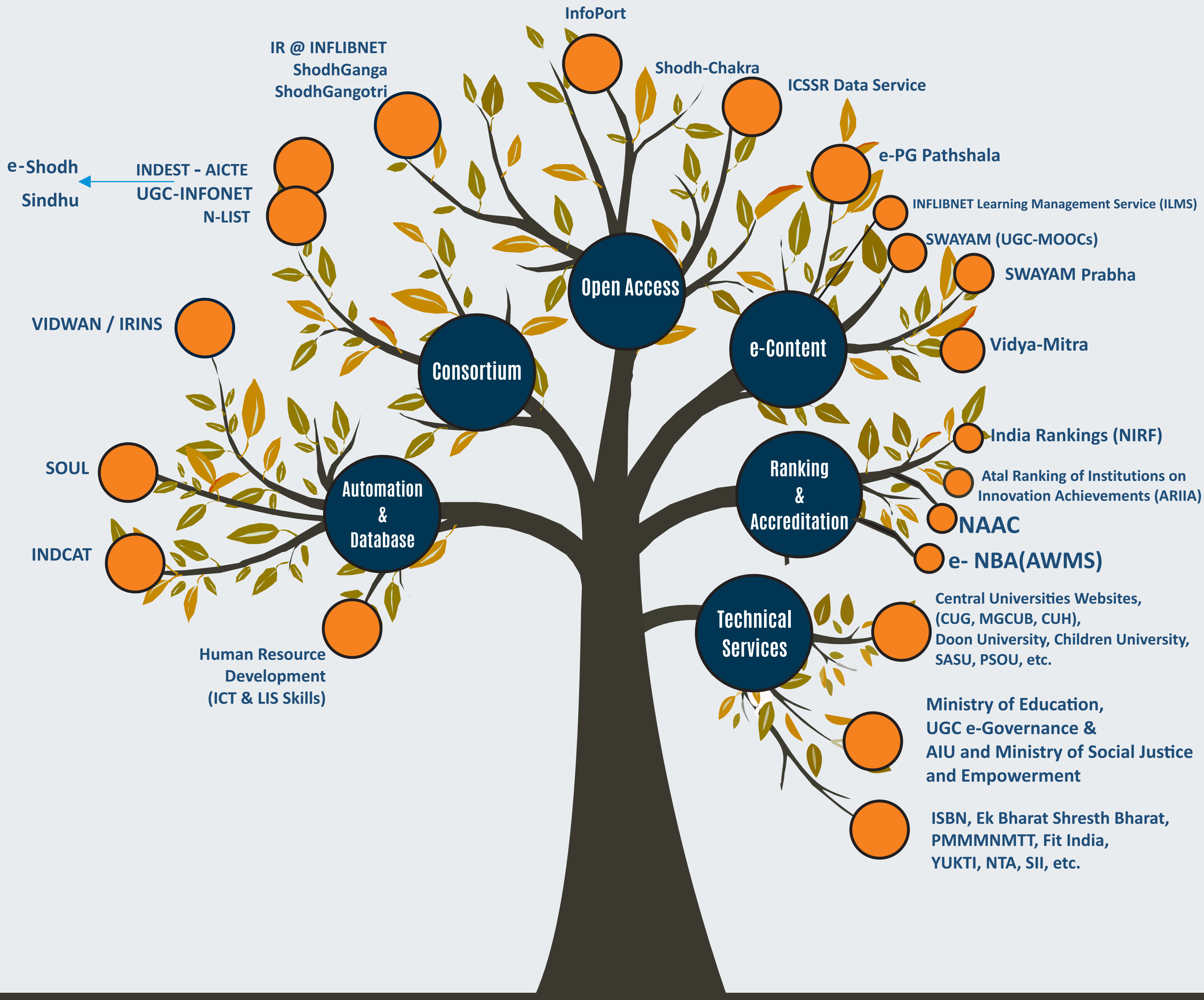



## Information and Library Network Centre

(An Autonomous Inter-University Centre of UGC)

Infocity, Gandhinagar - 382007, Gujarat, India

Email: director@inflibnet.ac.in

https://www.inflibnet.ac.in/